



# निर्मान IAS

## सामाजिक आदर्शों

# QIP. Case Study

By:

## Sunil 'Abhivyakti' Sir

**ENQUIRY OFFICE**

631 Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-09

**HEAD OFFICE/CLASS ROOM**

996 1st Floor, Mukherjee Nagar (Near Gandhi Vihar Bandh) Delhi-09

**PH.: 011-47058219, 9540676789, 9717767797**

Website : [www.nirmanias.com](http://www.nirmanias.com) | E-mail : [nirmanias07@gmail.com](mailto:nirmanias07@gmail.com)

You can also visit our digital platform-



## Case - Study

### केस - स्टडी

### QIP- Case - Study Part-I

#### केस स्टडी क्या है?

1. केस स्टडी (मामला-अध्ययन) लिये जाने वाले निर्णय में निहित वास्तविक प्रशासनिक परिस्थिति का विवरण होती है।
  2. इसमें किसी समस्या का समाधान निकालना होता है।
- समस्या के कारण कई होते हैं?**

जिन्हे हम केस स्टडी के प्रकार खंड में समझ सकते हैं।

#### I भ्रामात्मक केस स्टडी (Illustrative Case Study):- केस स्टडी के प्रकार

- इस प्रकार की केस स्टडी में एक या दो घटना/परिस्थिति परस्पर सम्बद्ध होते हैं
- निर्णयकर्ता (Decision Maker) के समक्ष विषय के सम्बंध में भ्रम की स्थिति बन जाती है जैसे:-

  1. सिविल सेवा अभ्यर्थी है और सिविल सेवा में व्याप्त भ्रष्टाचार से विचलित भी।
  2. सिविल सेवा में बड़े सपनों के साथ चयनित होते हैं और वास्तविक स्थिति नियुक्ति के बाद भ्रष्टाचार से सलिल होने या न होने की है इत्यादि-इत्यादि-क्लास में विस्तृत चर्चा।

#### II अनुसंधान मूलक (खोज पूर्ण) केस स्टडी:

- इस प्रकार की केस स्टडी संक्षिप्त एवं घनीभूत (Condensed) होती है।
- निर्णयकर्ता (Decision Maker) को अंतिम निष्कर्ष तक पहुँचने के लिये कई प्रकार की जाँच बड़े पैमाने पर करनी होती है; जैसे-

  1. किसी कारखाने/फैक्ट्री/उद्योग में बालश्रम का विषय एवं उस पर निर्णयकर्ता को ड्राफ्ट/दस्तावेज तैयार करना हो।
  2. किसी कंपनी में व्याप्त भ्रष्टाचार की संस्कृति एवं निर्णयकर्ता को उसमें नियोजित कर दिया जाय।
  3. पर्यावरण की समस्या संबंधी अनुसंधान इत्यादि-इत्यादि क्लास में विस्तृत चर्चा।

#### III संचयी केस स्टडी (Cumulative Case Study )

- इस प्रकार की केस स्टडी में विभिन्न क्षेत्रों (Sites) से विभिन्न समय में समेकित सूचना का संग्रहण करना होता है।
- निर्णयकर्ता (Decision Maker) को अत्यंत सजगता के साथ सूचनाओं को एकत्र करना होता है; जैसे:-

  1. किसी उद्यम का नये क्षेत्र में स्थापित होना तथा उसके कारण विस्थापन एवं पुर्नवास का संकट उत्पन्न होना। ऐसी परिस्थिति में निर्णयकर्ता को किसी अंतिम निष्कर्ष तक पहुँचने के लिये उद्यम/कंपनी के पुराने क्रियाकलापों की सूचनाओं का संग्रहण करना होता है।
  2. यह विषय लगभग प्रत्येक केस-स्टडी में समाहित होता है क्योंकि “सूचना-संग्रहण” किसी भी ‘निर्णयकर्ता’ की आधारभूत आवश्यकता होती है। इत्यादि-इत्यादि-क्लास में विस्तृत चर्चा।

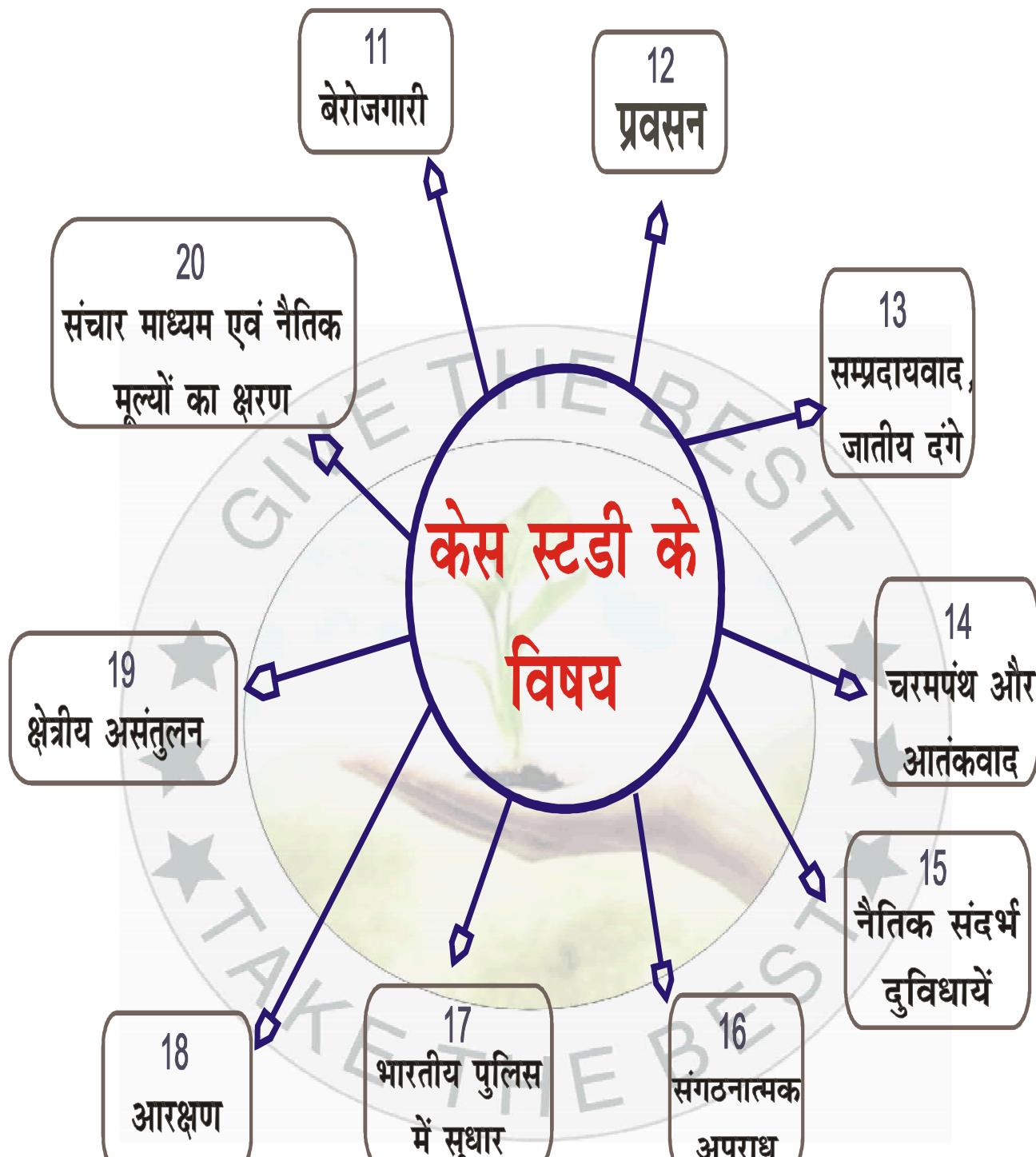
#### महत्वपूर्ण उदाहरण (Critical Instance) आधारित केस-स्टडी

इस प्रकार की केस-स्टडी में किसी विशिष्ट विषय पर आपकी राय रणनीति के रूप में माँगी जाती है जैसे-

1. पर्यावरण-सतत विकास के लिये साध्य रणनीति बनाइये
2. आपदा प्रबंधन जैसे विषय पर कोई परिस्थिति देकर आपसे वरीयता अनुक्रम लगवाना या ऐसा ही कोई अन्य विषय पूछना।

#### केस स्टडी विषय





- राजनीतिक, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए
- LGBT कम्युनिटी के लिए
- अन्य जातियों के लिए

### 1. लिखने की विधि

- तथ्य एवं समस्या के मुख्य पहलुओं को लिखना
- केस से सम्बंधित मुख्य विषय/समस्या को संकेतित करना।
- मामले की व्याख्या में अपने तर्क की पुष्टि के लिए कुछ प्रासांगिक तथ्य को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करना।
- सेलेबस की सातों यूनिट में से जो भी केस स्टडी से जुड़ी हों उन शब्दावलियों का प्रयोग करना।

**केस स्टडी हल करते  
समय क्या रखें ध्यान??**

2. कमज़ोर विकल्प को हटा देना या मात्र संकेतित भर करना या एक समान लग रहे कमज़ोर विकल्पों को एक साथ संबद्ध कर देना।

3. सभी चयनित विकल्पों के साथ न्याय आवश्यक है। यहाँ न्याय से तात्पर्य तार्किक विमर्श से है।

4. निष्कर्ष में मुख्य बिन्दुओं को इस प्रकार लिखें की पुनरावृत्ति न लगे और अंतिम निर्णय भी हो जाये।

5. अलग-अलग मापदंड का मामले के विकल्प चयन के लिए उपयोग जैसे-विधिक (लीगल मुद्दा), नैतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक इत्यादि।

6. महत्वपूर्ण हितधारकों की पहचान जैसे-राज्य, प्रशासन, मीडिया, सिविल सोसाइटी, नागरिक इत्यादि।

## ‘‘सेलेबस की सातों युनिट की मुख्य थीम’’

**Unit-1**

नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध → ‘चाहिए’

**Unit-2**

अभिवृति → दृष्टि कोण/नजरिया /मूल्याकांक्षा

**Unit-3**सिविल सेवा के लिए अभिरूचि, → सेवी वर्ग हेतु दायित्व निर्वहन  
बुनियादी मूल्य**Unit-4**

भावनात्मक समझ → अनुकूलन + नेटवर्किंग

**Unit-5**

भारत तथा विश्व के नैतिक विचारक → नैतिक मूल्यों का विकास

**Unit-6**

लोक प्रशासन में लोकसेवा → नीति + चाहिए

मूल्य तथा नीतिशास्त्र

**Unit-7**

शासन व्यवस्था में ईमानदारी → सत्यनिष्ठा + पारदर्शिता

## नैतिक दुविधाएं

- निजी हित बनाम सार्वजनिक हित
- न्याय बनाम शोषण
- व्यवसाय बनाम ईमानदारी
- समानुभूति बनामः लाभ
- सत्यनिष्ठा बनाम व्यक्तिगत खुशी
- व्हिस्मलब्लोवर या मुखबिर बनाम संगठनात्मक हित
- व्यक्तिगत सम्बन्ध बनाम सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा
- निःस्वार्थ निष्ठा बनाम स्वार्थ
- पारदर्शी बनाम अपारदर्शी

**Note:-**

जब भी अखबार पढ़े इन मुद्दों पर ध्यान दे।

# स स्टडी हल करने की विधि परीक्षा भवन में

## Step-1-अल्पकालिक-प्रक्रिया

### (A) केस को तीव्रता से पढ़ना (Quickly Read the Case)

रणनीति-आप इस चरण में केस की कुछ प्रारंभिक पैकितयाँ एवं आखिरी पैराग्राफ पढ़ सकते हैं। (यह विधि जब समय कम हो तो और प्रभावी हो जाती है।)

### निम्नलिखित बिंदुओं को निकालें

- केस का निर्णय कर्ता (Deciesion Maker), उसकी स्थिति और उस पर अंतिमिति उत्तरदायित्व।
- मुद्दा (Issue) कैसा प्रतीत हो रहा है और इसका संगठन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। <^\_
- मुद्दा उठने का कारण तथा इसमें निर्णयकर्ता (Decision Maker) की भूमिका
- दी गयी परिस्थिति की अविलंबिता (Urgency)
- तत्पश्चात प्रदर्शित या दिये गये विषय पर गंभीर दृष्टि डालना
- केस का शीर्षक एवं उपशीर्षक खोजना जिससे यह ज्ञात किया जा सके कि किस क्षेत्र पर ज्यादा फोकस किया गया है।
- केस के प्रश्नों को पढ़ना। यह आपको मुख्य मुद्दे की समझ के लिये कुछ संकेत प्रदान करेगा।

## Step-2 दीर्घकालिक प्रक्रिया

1. केस-स्टडी को विस्तारित रूप से पढ़ना।
2. केस को विश्लेषित करना

### व्यायाम में रखें

- a पैराग्राफ का वर्णन करें
- b पृष्ठभूमि सूचना पर ध्यान दें
- c रुचि के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान दें
- d विशिष्ट समस्याओं को लिखें
- e विकल्प ढूँढें।
- f निष्कर्ष दें।

## Step-3 केस स्टडी हल करने की विधि

### चरण-1

#### (A) ध्यान में रखना-सभी 7 युनिट का ध्यान करें एवं उसके मुख्य संदर्भों को रफ पर लिखें जैसे-

यूनिट-1. नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-सम्बन्ध

यूनिट-2. अभिवृत्ति

यूनिट-3. सिविल सेवा

यूनिट-4. भावनात्मक समझ

यूनिट-5. भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।

यूनिट-6. लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य

यूनिट-7. शासन व्यवस्था में ईमानदारी

### (B) प्रयोग

- मुद्दे की व्याख्या करें (प्रश्न की प्रकृति के हिसाब से यह निर्धारित होगा)
- मुद्दे में कौन-2 सी समस्यायें दिखायी दे रही हैं/प्रतीत हो रही हैं।
- मैंने (आपने) कैसे जाना कि यह एक समस्या है।
- उन मुद्दों की पहचान कीजिये जो तुरंत संबोधित (addressed) करने योग्य हैं
- पहचाने गये मुद्दों में से महत्वपूर्ण के क्रमानुसार हल करना प्रारंभ कीजिये।

### (C) विश्लेषण-हल-

1. मुद्दे के पीछे के कारणों की पहचान कीजिये तथा संसाधन, हितधारक एवं प्रक्रियाओं को ध्यान में रखकर लिखना प्रारंभ कीजिये।

2. उस क्षेत्र या लोगों की पहचान कीजिये जो इस मुद्दे से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।
3. सीमाओं एवं संभावनाओं को लिखिये।

### विकल्प ढूँढते समय क्या ध्यान में रखें

1. व्यावहारिक और कार्यान्वयन योग्य विकल्प ढूँढें।
2. ऐसा कोई निर्णय न दें जिसमें आगे जाँच की आवश्यकता हो/पड़े।
3. कुछ विशेष करने का प्रयत्न न कीजिये।
4. लिये गये निर्णयों के मार्ग में आने वाली बाधाओं के बारे में चिंतन कीजिये।
5. मीट सैंडविच मेथड (Meat Sandwich Method) का प्रयोग न कीजिये। इस मेथड में दो विकल्प इस प्रकार चुने जाते हैं जो विकल्प आवश्यक नहीं होते। इसमें अध्यर्थी बचना चाहते हैं कि दो विकल्प इस प्रकार चुन लो कि एक को दूसरे की तुलना में बेहतर दिखा दो।

### निर्णय के महत्वपूर्ण संदर्भ

1. बिंदुवार तरीके से विश्लेषित कीजिये जैसे-
  - सुधार क्या हुये?
  - नैतिक संदर्भ/पर्यावरणीय-व्यावसायिक-लीगल-प्रशासनिक संदर्भ इत्यादि।
  - व्यवहारिक संदर्भ/अभिवृत्ति-भावनात्मक समझ
  - लोकसेवा मूल्य/गवर्नेंस/ शासन व्यवस्था में ईमानदारी इत्यादि।
2. मापन योग्य तथ्य: जैसे लिया गया निर्णय 'A-B' की तुलना में अच्छा कैसे है?

### विकल्पों का मूल्यांकन कैसे करें

1. रैकिंग विधि
2. लाभ और हानि विधि
3. चुने गये विकल्प का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव

### कुछ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1. सिविल सेवक निर्णयकर्ता (Decision Maker) होते हैं। अतः गहन अध्यास द्वारा यह प्रक्रिया अपने अंदर विकसित करें।
2. अपने द्वारा लिये गये निर्णय की न्यायिकता (Justification) को सिद्ध करें।
3. Short Method (Step-1) को केस से Familiare होने के लिये अपनायें। Step-2 या Long Method को केस को विश्लेषित करने के लिये अपनायें।
4. ग्रुप डिस्कशन केस-स्टडी को हल करने के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है। करने के बाद मूल्यांकन करें कि इसकी दिशा क्या रही। <+>
5. कक्षा (Class) में अध्यापक द्वारा कही गयी एक-एक बात पर ध्यान दें और उसे अलग से 'नोट करें'।

## नैतिक दुविधा:उदाहरण UPSC 2014-2017

1. मान लीजिए आपके निकट मित्रों में से एक जो स्वयं सिविल सेवा में जाने हेतु प्रयत्नशील है वह लोक सेवा में नैतिक आचरण से संबंधित कुछ मुद्दों पर चर्चा हेतु आपके पास आता है। वह निम्नलिखित बिन्दुओं को उठाता है।-
  - (a) आज के समय में जब अनैतिक वातावरण काफी फैला हुआ है, नैतिक सिद्धांतों से चिपके रहने के व्यक्तिगत प्रयास व्यक्ति के कैरियर में अनेक समस्याएँ पैदा

कर सकता है। यह परिवार के सदस्यों पर कष्ट पैदा करने एवं साथ ही स्वयं के जीवन पर जोखिम का कारण भी बन सकते हैं हम क्यों न व्यवहारिक बने और न्यूनतम प्रतिरोध के रास्ते का अनुसरण करें एवं उसे करके प्रसन्न रहे।

- (b) जब इतने अधिक लोग गलत साधनों को अपना रहे हैं और तंत्र को भारी नुकसान पहुँचा रहे हैं तब क्या फर्क पड़ेगा यदि कुछेक लोग ही नैतिकता की चेष्ठा करें? वे अप्रभावी ही रहेंगे और निश्चित रूप से अंततः निराश हो जाएंगे।
- (c) यदि हम नैतिक सोच-विचार के बारे में अधिक बताएंगे तो क्या इससे देश की आर्थिक उन्नति में रुकावट नहीं आएगी? असलियत में उच्च प्रतिस्पर्धा के वर्तमान युग में हम विकास की दौड़ में पीछे छूट जाने को सहन नहीं कर सकते।
- (d) यह तो समझ आता है कि भारी अनैतिक तौर-तरीकों में हमें पड़ना नहीं चाहिए पर छोटे मोटे उपहारों को स्वीकार करना एवं छोटी-मोटी तरफदारी करना सभी के अभिप्रेरण में वृद्धि कर देता है। यह तंत्र को और भी अधिक सुचारू बना देता है। ऐसे तौर तरीकों को अपनाने में गलत क्या है?

उपरोक्त दृष्टि कोणों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। इस विश्लेषण के आधार पर अपने मित्र को आपकी क्या सलाह होगी।

## हितधारक:-

- (i) मैं
- (ii) मेरा मित्र
- (iii) सिविल सेवा संगठन
- (iv) लोक सेवा मूल्य

**Ans:-** समस्या एवं उसके पहलू की पहचान:-

- (i) लोक सेवा में विस्तृत भ्रष्टाचार जिसके स्रोत विभिन्न मीडिया एवं राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट होती है।
- (ii) मेरे मित्र की अभिवृत्ति का इन स्रोतों से मिले साक्ष्य से नकारात्मक होना।
- (iii) मेरे मित्र का सिविल सेवा के मूल्यों एवं सिविल सेवा नियमावली, आचार संहिता

के प्रति अनभिज्ञता।

**Ans:- (A)**

- (i) मेरे मित्र को मेरी सलाह होगी की प्रत्येक समय एवं परिस्थिति में साधन एवं साध्य की पवित्रता को ध्यान में रखकर मानव कल्याण के लिए किया जाने वाला कार्य ही नैतिक होता है अतः वह भी इस मूल्य को धारण करे।
- (ii) लोक सेवा में अधिकार के साथ दायित्व का पक्ष मजबूती से जुड़ा है अतः अनैतिक वातावरण से डरे बिना दृढ़ता के साथ लोक सेवा के कार्यों का संपादन करे।
- (iii) मैं उसे समझाऊँगा की संभव है कि तात्कालिक रूप से इससे करियर या निजी जीवन में कुछ परेशानियाँ आयेगी पर दीर्घकालिक रूप से इससे एक बेहतर प्रशासनिक कार्य संस्कृति बनेगी साथ ही शासन में सुशासन की स्थापना भी होगी। संगठन में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राज्य द्वारा पुरस्कार भी मिलेगा।
- (iv) संविधान द्वारा प्रदत्त प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार तथा सामाजिक-आर्थिक न्याय की उपलब्धता में लोक-सेवा एक प्रमुख कड़ी है, ऐसे में उसका दायित्व ज्यादा बड़ा है और उसे ‘हितों के संघर्ष’ के आधार पर किसी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहिए।

**Ans:- (B)**

- (i) मैं अपने मित्र को समझाऊँगा की नैतिक निर्णय, तथ्यात्मक निर्णय से भिन्न होते हैं। नैतिक निर्णय का पूरा बल “जो सही है वही होना चाहिए पर होता है।”।
- (ii) मैं उसे ‘सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव’ के कुछ प्रेरक प्रसंग भारत एवं विश्व के महापुरुषों के जीवन-दर्शन से बताऊँगा। गाँधी लाल-बाल-पाल, राजाराम मोहन राय, सुकरात इत्यादि के नैतिक विचार का संदर्भ देकर उसे प्रेरित करूंगा की जिस प्रकार इन महापुरुषों ने किसी भी समय परिस्थिति या देश में अपने बुनियादी मूल्यों से समझौता नहीं किया और भावी पीढ़ी को मूल्य प्रदान किये वैसे ही हमें भी करना चाहिए।

### Ans:- (C)

- (i) मेरे मित्र के लोक सेवा में फैले अनैतिक बातावरण में इस चिंता के उत्तर में मैं उससे कहुँगा की साधन एवं साध्य की पवित्रता के बिना यदि आर्थिक उन्नति का मार्ग पकड़ा जाता है तो तात्कालिक रूप से लाभ दिखाई दे सकता है परंतु दीर्घकालिक रूप से उसके नुकसान देह होने की संभावना होती है।
- (ii) मैं उसे समझाऊँगा की परिणाम किसी कार्य के निर्णय एवं उसके करने की आचरण की अंतिम कसौटी नहीं होते हैं। कभी-कभी अच्छे परिणाम को लेकर शुरू किया गया कार्य साधन एवं साध्य की पवित्रता के अभाव में अपूर्ण रह जाता है और कभी-कभी गलत मार्ग का अनुसरण कर लेता है।

### Ans:- (d)

- (i) मैं अपने मित्र की इस बात को पूर्णतया-नकारते हुए कहुँगा कि आप और मैं केवल कुछ सामान्य घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाल सकते की छोटे-मोटे उपहार सभी की अभिप्रेरणा में वृद्धि कर सकते हैं।
- (ii) उससे चर्चा के क्रम में कहुँगा की हम सिविल सेवा के अभ्यर्थी होने के कारण उसके बुनियादी मूल्यों को अवश्य धारण करें।

### निष्कर्ष

- लोक प्रशासन में लोक सिविल सेवा मूल्य तथा नैतिक मूल्यों की वर्तमान की विभिन्न सामाजिक-आर्थिक राजनीतिक प्रशासनिक चुनौतियों को देखते हुए ज्यादा आवश्यकता है ऐसे में चिंता के इन संदर्भों से ऊपर उठते हुए उसे अपने अंदर सिविल सेवा मूल्यों का विकास करना चाहिए। ये सिविल सेवा मूल्य हैं-
- सत्यनिष्ठा
  - भेदभाव रहित तथा गैरतरफदारी

- निष्पक्षता।
- सार्वजनिक सेवा के प्रति-समर्पण भाव।
- कमजोर वर्गों के प्रति सहानूभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।

## ‘केस-स्टडी-2013’

1. आप देश के एक प्रमुख तकनीकी संस्थान के अध्यक्ष हैं। संस्थान में प्रोफेसरों के चयन हेतु आपकी अध्यक्षता में सलाहकार पैनल का गठन शीघ्र ही करने वाले हैं। साक्षात्कार से कुछ दिन पहले एक ज्येष्ठ शासकीय अधिकारी के निजी सचिव का फोन आता है जिसमें आपसे उक्त पद के लिए एक निकट संबंधी के पक्ष में चयन करने की अपेक्षा की जाती है। निजी सचिव यह भी बताते हैं कि आपके संस्थान में आधुनिकीकरण हेतु बहुत समय से लक्षित महत्वपूर्ण वित्तीय अनुदान के प्रस्तावों का उन्हें ज्ञान है जिनकी अधिकारी द्वारा स्वीकृति की जानी है। वे आपको इन प्रस्तावों को अनुमोदन कराने का आश्वासन देते हैं।

- (A) आपके पास क्या-क्या विकल्प हैं?
- (B) प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन करे और बताइए की आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

## संरचना

- भ्रष्टाचार का विषय।
- कार्य संस्कृति की गुणवत्ता का प्रश्न।
- नैतिक निर्णय एवं लोक सेवा मूल्य से संबंधित विषय।
- तकनीकी संस्थान के अध्यक्ष के नेतृत्व कौशल की परीक्षा।

## केस से संबंधित समस्या:-

- तकनीकी संस्थान से संबंधित वित्त का दबाव

(ii) इसी दबाव के आलोक में अध्यक्ष से अधिमानी बर्ताव की अपेक्षा।

## हितधारकः:-

- (i) लोक सेवक
- (ii) तकनीकी शिक्षण संस्थान
- एवं उसका वित्तीय हित।
- लाभ प्राप्त कर्ता

## मुख्य मापदंडः

- (i) नैतिक मापदंड
- (ii) लोकसेवा मूल्य
- (iii) कार्य संस्कृति
- (iv) सामाजिक निहितार्थ

## भूमिका:-

इस मामले में भ्रष्टाचार तथा नैतिक दुविधा का विषय समाहित है जिसका आधार है लोक सेवा मूल्य एवं संस्थान हेतु वित्त की आवश्यकता का विषय।

**इस परिस्थिति में तकनीकी संस्थान के अध्यक्ष के समक्ष निम्न विकल्प हैः-**

- (i) संस्थान के आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक वित्तीय-अनुदान को प्राप्त करने हेतु ज्येष्ठ शासकीय अधिकारी के निजी सचिव के प्रस्ताव को मान लेना।
- (ii) दबाव डालने वाले/भ्रष्ट आचरण हेतु प्रेरित करने वाले की शिकायत विभाग के शिकायत निपटान प्रकोष्ठ या भ्रष्टाचार से निपटने हेतु बनायी गई विभागीय सेल में दर्ज कराना।
- (iii) नियुक्ति की निर्धारित पद्धति का निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ अनुसरण

कर साक्षात्कार की प्रक्रिया को पूर्ण करना।

- (iv) साक्षात्कार पैनल से स्वयं को अलग करने हेतु संस्तुति करना या छुट्टी लेकर कहीं चले जाना।

## विकल्पों का मूल्यांकन

### I गुण:-

- (a) संस्थान के आधुनिकीकरण हेतु बहुत समय से लंबित महत्वपूर्ण वित्तीय अनुदान की प्राप्ति।
- (b) अध्यक्ष का अपने शीर्ष अधिकारियों एवं उनके निजी सचिव से अच्छा संबंध बनने की संभावना।

### दोष:-

- (a) नैतिक निर्णय के मुख्य मापदंड साधन एवं साध्य की पवित्रता के मूल भावना के विपरीत कार्य
- (b) संगठन के प्रति सत्यनिष्ठा का ह्रास जिससे विभाग में नकारात्मक कार्य संस्कृति का प्रसार।
- (c) तरफदारी द्वारा नियुक्ति में अयोग्यता की संभावना ज्यादा, जिससे शिक्षा के मौलिक मापदंडों का हनन।

### II गुण:-

- (a) निःसंदेह यह अनुकरण योग्य विकल्प है, क्योंकि सचिव लोक प्रशासन का जिम्मेदार तथा उच्च स्तरीय अधिकारी है जिसके साथ सुशासन की अवधारणा गहनतम स्तर तक जुड़ी है।
- (b) निजी सचिव द्वारा अनुचित दबाव बनाना कानूनी एवं नैतिक दोनों दृष्टि से अनुचित, निंदनीय एवं अवांछनीय है।

### दोष:-

(a) तकनीकी संस्थान को लंबित वित्तीय अनुदान में और विलंब की संभावना।

### III गुण:-

- (a) नैतिक, कानूनी तथा सामाजिक सभी दृष्टियों से यह विकल्प अपनाने योग्य है।
- (b) सुशासन एवं सतत् विकास का यह प्राथमिक आधार है।
- (c) तात्कालिक रूप से निजी सचिव द्वारा दिया जा रहा प्रलोभन अच्छा विकल्प साबित हो सकता है परंतु भ्रष्टाचार की परंपरा की शुरुआत एवं उनका अनुकरण संस्थान के भविष्य हेतु नकारात्मक सिद्ध हो सकता है।
- (d) लोक सेवा के प्रति ईमानदारी बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा तथा प्रशासनिक कार्य संस्कृति की निष्ठा बढ़ेगी।

### IV गुण:-

- (a) इस विकल्प में लोक सेवा की दृष्टि से मैं कोई भी गुण नहीं देख पाता। पलायन वाद व्यक्ति की नकारात्मक अभिवृत्ति, कमजोर भावनात्मक समझ तथा सत्यनिष्ठा न होने के पहलू को उजागर करता है।

### आपका चयनित विकल्प

मैं विकल्प III को चुनूँगा क्योंकि इस मूल्यवान् एवं तार्किक निर्णय द्वारा गुणवत्ता परक शिक्षा सुनिश्चित होगा तथा इसके कार्य द्वारा व्यक्ति, समाज व राष्ट्र को कल्याण के पथ पर अग्रसर किया जा सकता है।



# निर्मान IAS

## सामाजिक आदर्शों

# QIP - Case Study-2

By:

## Sunil 'Abhivyakti' Sir

**ENQUIRY OFFICE**

631 Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-09

**HEAD OFFICE/CLASS ROOM**

996 1st Floor, Mukherjee Nagar (Near Gandhi Vihar Bandh) Delhi-09

**PH.: 011-47058219, 9540676789, 9717767797**

Website : [www.nirmanias.com](http://www.nirmanias.com) | E-mail : [nirmanias07@gmail.com](mailto:nirmanias07@gmail.com)

You can also visit our digital platform-



\* केस स्टडी \* 2013 IAS

Ques.

### सूचना की गोपनीयता

पितृ मंत्रालय में एक वरीय अधिकारी होने के बारे, सरकार द्वारा घोषित किये जाने वाले कुछ नियमों की गोपनीय एवं महत्वपूर्ण सूचना की आपको जानकारी मिलती है। इन नियमों के अवन एवं निर्माण उद्योग पर दृग्गमी प्रभाव पड़ सकते हैं। पर्याप्त ध्यान निर्माताओं को पहले ही पट जानकारी मिल जाती है, ही वे उससे डॉ. लाभ उठा सकते हैं। निर्माताओं में से एक ऐसा है जिसने सरकार के लिए अच्छी गुणवत्ता का काफी काम किया है और वह आपके आसन्न वरिष्ठ अधिकारी का घनिष्ठ है। जिन्होंने आपको उन्नत सूचना का उस निर्माता को अनावृत करने के लिए संकेत दी दिया है।

- (a) आपके पास क्या- क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- (b) प्रत्येक विकल्प का भूलंगाक्षर करके बताइये कि आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे? उसके कारण शी बताइये।

### मुमिका -

⇒ सूचना की गोपनीयता का विषय मौजूद है।

⇒ वरिष्ठ अधिकारी के संकेत को और उनकी इच्छा के आधार पर वरिष्ठ अधिकारी होने के बारे मेरे पास नियन्त्रित दिक्षिण हैं—

### विकल्प - 1 -

• वरिष्ठ अधिकारी का अनुपालन कर उक्त गोपनीय सूचना को अवन निर्माता (जिसने सरकार के लिए अच्छी गुणवत्ता का काम किया है) को यह सूचना उपलब्ध करा दें।

### गुण -

• वरिष्ठ अधिकारी और मेरी सोठगांठ का छें रहना शूक्रि अवन निर्माता सरकार के लिए अच्छी गुणवत्ता का

कार्य करता है अतः यदि उसे जोड़ेकर से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना पहले मिल जाती है तो वह पूर्व टैपारी के साथ और छेद्दर विष्पादन करेगा।

### दोष-

मेरे शृंग आवश्यक का परिचयक क्योंकि लोक सेवा मूल्य पर सिद्धि सेवा नियमावली इंवं मेहिकुटा, सत्य के साथ खलने को छाटा है जबकि मेरे सत्य के विजय संकेत से यह रहा यह इससे मेरी नकारात्मक अभिवृत्ति का श्री उक्तन द्वेष है क्योंकि यह भानेरे हुए श्री कि छिसी श्री गोपनीय दस्तावेज को अनावृत करना गलत है फिर श्री द्वारे के उत्ताप में आकर व्यावात्मक प्रियात्मक रूप से गोपनीय दस्तावेज को अनावृत किया

### प्रकार - 2

अपनी भावनात्मक समझ के द्वारा मेरे अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस मामले की गम्भीरता इंवं महत्व की समझाने का उपास चर्चां और उन्हें अपने विषयों से सहभत करा लूँगा कि छिसी को श्री इस उकार की सूचना उपलब्ध न करायी जाये।

### गुण-

- ✓ टीम भावना इंवं संगठन की छेद्दर कार्य-संस्कृति का इससे विर्भाव होगा इससे लोक सेवा मूल्य तथा साधन पर साध्य के द्वीप सम्बन्ध या छवन श्री उत्पन्न नहीं होगा।
- ✓ इस उकार की महत्वपूर्ण व गोपनीय सूचना विष्पस्ता व ज्ञावंदेश्वर के साथ आगे बढ़ेगी तथा सुशासन की अवधारणा और भज्वृत होगी।
- ✓ इससे मेरे व्यक्तित्व के वेद्यत्व का गुण उक्त होगा जिससे मेरा विना छिसी दबाव उपर अपना कार्य करने को उन्हिं चर्चां।

दोष- परिषठ अधिकारी की अभिवृति में आत्मविश्वास का छुट अधिक हुआ तो सम्भव है वह सटमट से ही रुप्य स्वंय या किसी अन्य स्नोट से सूखना भवन निर्माता को उपलब्ध करा दें।

प्रकल्प-3→ परिषठ अधिकारी के सकेत को नजरअंदाज कर देना।

गुण- युक्ति परिषठ अधिकारी का सकेत मेरे ऊपर दबावकारी शुभिका में है जो सरकार की नीतियों के गलत दायी में भी जाने की मान्यता देने से खुड़ी है ऐसे में उसके सकेत को नजरअंदाज करने से उस अतिरिक्त दबाव से मुक्ति मिलेगी और में पूर्ण ईमानदारी से निर्णय ले पाऊंगा।

दोष-

परिषठता की अवमानना विभाग में गलत कार्य-संस्कृति को खन्म दे सकती है और मेरा परिषठ भुजे किसी अन्य तरीके से परेशान कर सकता है।

प्रकल्प-4-

परिषठ अधिकारी की शिकायत विभाग की अनुशासन सेल में करना।

गुण-

युक्ति परिषठ अधिकारी मेरे ऊपर अतिरिक्त दबाव बनाकर एक विशेष निर्माण को लाभ दिलाना चाहता है, ही सकता है कि मेरे परिषठ अधिकारी में उस निर्माता से कोई साठगांठ कर ली हो ऐसे में मेरे पास शिकायत सेल में घोने के अलावा अन्य विकल्प नहीं हैं।

दोष-

विना परिषठ अधिकारी से बातचीत किये या समझाये लीघे शिकायत एकोष्ठ में खाना संगठन भावना की हास्ति से उपर नहीं है, इससे मेरे और परिषठ के भव्य क्षेत्र की स्थिति बन सकती है जिससे विभाग की कार्य संस्कृति पर विपरीत असर पड़ेगा।

अहं मैं विकल्प-2 पुन्हा॑ं पिष्ठे के पीढ़े भिन्न विखित ठंडे हैं-

- ॥ मेरी जेदत्व कुशलता
- ॥ सुशासन की मेरी अवधारणा
- ॥ लोकसेवा के उति मेरा समर्पण आव
- ॥ मेरी प्रशासनिक सकारात्मक अभियृति

• केस स्टडी • २०१५ IAS 'पर्यावरण सम्बन्धी'

आजकल समस्त विश्व में आर्थिक विकास पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही साथ, विकास के कारण पैदा होने वाले पर्यावरणीय प्रश्न के सम्बन्ध में ध्येय भी बढ़ रही हैं। अबेक गार भारत समेत वैकासिक विकास के लिए प्रयत्न चारों ओर पर्यावरणीय जुगात के द्वाय सीधा विरोध दिखाई पड़ता है। वैकासिक उद्यमों को रोक देना या उसमें कांट-हांट कर देना भी साध्य नहीं है और नहीं पर्यावरण प्रश्न को छोड़ने देना उपर्युक्त है, क्योंकि यह दो घम स्वतंत्र जीवन के लिए ही खतरा है।

ऐसी कुछ साध्य रणनीतियों पर ध्या कीजिए, जिसको इस कृन्द का शामन करने के लिए अपनाया जा सकता है और जो इसे ध्वारणीय विकास की ओर ले जा सकती है।

### साध्य रणनीति-

- ① इको-एक्षिक्ष स्वतंत्र या पर्यावरणीय मैत्रिता का विकास।
- ② अभिवृति के सञ्चान, भावना एवं क्रिया प्रक्ष में सम्बन्ध।
- ③ प्रशासन द्वारा नीतियों के निर्माण एवं क्रिपावयन प्रक्ष में पर्यावरण अनुकूलन के लिए भावनात्मक समझ का उपयोग।
- ④ पर्यावरण संरक्षण एवं विकास के सम्बन्ध को लोक सेवा मूल्य के रूप में शामिल करना।
- ⑤ फटिंग व्यवस्था में सुधार
- ⑥ ही ऐस आर से जोड़ना एवं प्रशासनी रूप से लागू करना
- ⑦ अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में पर्यावरणीय मैत्रिता को प्रमुख स्थान देना।

विकास और पुगति द्वाय पर्यावरण में सम्बन्ध जो लिए ऐसे विकल्पों का विकास य निर्धारिण करना होगा जो न केवल किंतु वर्षों में ही ज्ञाति की वरपाई कर सके अपितु यिनके द्वारा आगामी वर्षों में राष्ट्र अपने

प्राकृतिक और पर्यावरणीय संसाधनों में वास्तविक दृष्टि कर सके इसके लिए निम्न लिखित साध्य ठानीलियां अपनानी होंगी —

- ① पर्यावरणीय नीतिका के मुल्यों का विकास के उपरेक सोचन पर विस्तार पा द्योकृति। इसकी यह भाव्यता है कि पर्यावरण और पारिष्ठितिकीय भाव मानव जीवन प्रकृति के एक विशेष किनारे हैं अतः मानव जीवन को समर्पित विकास नीतिका प्रतिबानों के साथ संयोजित होना चाहिए।
- ② पर्यावरण संरक्षण के उत्ति व्यक्ति, समाज, राज्य के क्रियाक्लामों में सकारात्मक अधिवृति को वढ़ावा दिया जाये। उदास्तरण के लिए राज्य के नीति निर्देशक तत्व के अनुच्छेद ५८(1), शूभि, खल, वायु प्रदूषण के उत्ति लोगों को जागरूक करना।
- ③ आवनात्मक समझ का उपयोग करते हुये शासन-प्रशासन में लोग लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए बनाये गये विभिन्न कानून, अधिनियम इंवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण इंप विकास में समन्वय स्थापित करने के लिए ज्ञाने और उपासों से व्यंग्य अपार्ट हो तथा इससे जो शी जागरूक बनाये।
- ④ कृषि, उद्योग इंवं खेल के लिए विकास नीति में दैसी तकनीकों को वढ़ावा देना जो सामान्यतः प्रदूषण को शोक्ती हो।
- ⑤ विकास के लिए निर्धारित बजटीय आंबटन के उपरेक ऐल के लिए अलग से पर्यावरण राष्ट्रीय वा प्राकृति सुनिश्चित करना।
- ⑥ इन जी ई को और प्रभावी तथा दक्ष छनाना इंवं न्यायिक संक्षिप्ता को पर्यावरण से खम्बधित करना।
- ⑦ अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में पर्यावरणीय नीतिका को प्रभुरब स्थान देना।

निष्कर्ष :-

संविधान के अनुच्छेद २१ के तट जीवे के अधिकार

मूल अधिकार है तथा इसमें जीवन के लिए प्रदूषण रहित पानी, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार शामिल है।

आवश्यकता है अधिकार के साथ दायित्व को समझने की, विनास करने का अधिकार है साथ ही दायित्व भी इसलिए इसका अनुपालन सुनिष्पित करना आवश्यक है।

#### \* केस स्टडी \* IAS 2014

मान लीजिए कि आप खेसी कम्पनी के भुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं, जो एक सरकारी विद्यालय के छारा प्रयुक्ति विशेषीकृत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाती है। आपने विद्यालय को उपर्युक्त की पूर्ति के लिए आपनी बोली पेश कर दी है। आपके ओफर की गुणता और लागत दोनों आपके प्रतिस्पर्धियों से छेद्य है। इस पर श्री सम्बवित अधिकारी टेंडर पास लेने के लिए बोटी रिक्विट की मांग जर रखा है। ऑर्डर की प्राप्ति आपके घर और आपनी कम्पनी दोनों के लिए भवत्वपूर्ण है। ऑर्डर न मिलने का अर्थ होगा उत्पादन रेखा का बन्द कर देना। यह आपके स्वयं के क्रियर को श्री प्रबाहित कर सकता है। फिर श्री, भूल्य समेत अपमिति के रूप में आप रिक्विट देना नहीं पाएंते हैं।

रिक्विट देने और ऑर्डर जात कर लेने, तथा रिक्विट देने से इंकार करने और ऑर्डर को दायर से निकलने के लिए वेद्य तर्क दिये जा सकते हैं। ये तर्क या दो सकते हैं? या इस धर्म संकेत से बाहर निकलने का कोई छेद्यतर प्रस्ता दो सकता है? यदि हाँ, तो इस तीसरे रास्ते की अप्याशीली और इंगित करते हुये उसकी रूपरेखा प्रस्तुत की जिए।

Ans-1 रिक्वेट देने व आईर छाप्त करने के विकल्प के बायन का वैद्य टर्क :-

- ① कम्पनी का सीईओ टोने के कारण कम्पनी की उत्पादन रेखा ठनाये रखने का दायित्व।
  - ② कम्पनी पर निर्भर प्रशासनिक अधिकारी खंग जर्मियारी का विविध।
  - ③ स्वंप के कैरियर को ब्याप्ति के लिए।
  - ④ बेट्टल के गुण की पररव जो सावित करने के लिए।
  - ⑤ इस प्रष्ठाशुभ्रि में साधन और साध्य की पविलत की व्यावना से अधिक भट्टवपुर्ण है कम्पनी का उत्पादन हड्डी न देना जो परिस्थिति के फ़िटिंग से सही श्री उत्तीत होता है।
- 2- रिक्वेट देने से इंकार खंग आईर दात से निकल जाने के लिए वैद्य टर्क :-

- ① कम्पनी का सीईओ स्वं कम्पनी से सम्बद्धित सर्वी दायित्व टोने के बावधूद रिक्वेट देना या लेना अन्वेतिक, अशुभ तथा बिन्दनीय है जो कोई श्री भूल्य स्पेत व्यक्ति खीकार बही जाएगा।
- ② यह स्तत् विकास खंग खुशासन की व्यावना के अनुकूल बही है क्योंकि इससे आजे आने वाली वीड़ि के समक्ष नकारात्मक कार्य-संस्कृति का सन्देश प्यायेगा।
- ③ यह एक सीईओ के रूप में श्री अधिवृति के नकारात्मक पटलुओं को उद्घातित करेगा जबकि मुझे यह पता है कि आपका उत्पाद प्रतिस्पर्धियों से गुणता व लागत दोनों में बेट्टर है।

निष्कर्ष :- यह धर्म संकेत या ऐतिक इविधा की स्थिति है इससे बाहर निकलने का संबंधी बेट्टर उपाय है टेंडर पास करने वाले अधिकारी के अच्छ आपरण की उस दिक्कारविश्वाग के अच्चतर विकायत छोड़ते हुए पहुँचाना जिससे लौकसेवा सुलगो का संरक्षण हो रहा गुणता व लागत की व्यापकता मिले। इस कार्य के लिए मैं उस टेंडर अधिकारी के विरुद्ध सहत प्रयोगांग प्रिसेमें फोन इकाई वा ईलिस सर्विलांस का उपयोग करूँगा।

केस स्टडी 2015 IAS

एक आपदा प्रवण राष्ट्र है, जिसमें अम्लर शुस्खलन, दोवानल, भैंध विस्फोट, आक्सिमिक छाद और शुक्रम्य आदि जीते रहते हैं। इनमें से कुछ मौसमी हैं और अम्लर अनुबंधीय हैं। आपदा का परिणाम उमेश अप्रत्याशित रहता है। एक मौसम के दोशन, एक भैंध विस्फोट के कारण विनाशकारी बाढ़ और शुस्खलन हुये जिनसे अत्यधिक झींगी रुक्षियां सड़कों, पुलों और विद्युत उत्पादी युक्तियों जैसी बुनियादी संरचनाएँ को वृद्धि करते पहुँची। इसके फलस्वरूप ₹100,000 से अधिक गांवों और स्थानों में फस गये। जिम्मेदारी के विभिन्न भागों और स्थानों में फसे हुये लोगों में वरिष्ठ नागरिक, अस्पतालों में भरीज, महिलाएँ और बच्चे, पुढ़ियाली, पर्यटक, शासक पार्टी के प्रादेशिक अध्यक्ष अपने परिवार सहित, पड़ोसी राष्ट्र के अतिरिक्त भुख्य समिति और खेल में केंद्री शामिल थे।

राष्ट्र के एक सिविल सेवा अधिकारी के लौर पर आपका आदेश क्या होगा जिसमें आप इन लोगों को बचायेंगे और क्यों? अपने उत्तर के पक्ष में तक दीजिए।

शुभिका :-

सिविल सेवा में नीतिशास्त्र का यह आधार है कि सभय और परिस्थिति में जो सबसे तार्किक हो उसी का अनुपालन करना चाहिए। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुये मेरी प्राथमिकता आपदा प्रबंधन के सन्दर्भ में निर्धारित होगी।

सबसे पहली में यह घाने का स्थास कर्त्ता कि कौन-कौन लोग कहाँ-कहाँ हैं और ध्याव टीम के किन्हें आस-पास है। यह सुनिश्चित कर्त्ता कि भाटि,

धर्म, लिंग, स्थिति का ध्यान दिये बिना अधिकृतम् भीवन को छोड़ने का उपक्रम किया गया। मेरी नीति का ध्यान इस्का शिक्षण, रिलीफ, रिहैबिलेशन का होगा फिर यहि यदि भुजे खुना पड़े तो में क्रमशः खुचुगाँ -

- ① अस्पताल में भर्ती मरीज़ :- अस्पताल का कारण -
  - (a) खुंडि इनकी गतिशीलता अत्यन्त कम है।
  - (b) किसी भी छार की इच्छाना के छहि दे ख्यादा सर्वेंद्रनशील है।
  - (c) खुंडि ये अस्पताल में हैं अतः उन्हें खोज पाना भी आसान होगा।
- ② वृद्धजन :- अस्पताल का कारण -
  - (a) मरीजों की तरट इनकी भी गतिशीलता कम है।
  - (b) इनके अनुभव ये बुद्धिमत्ता की देश को आवश्यकता है।
- ③ महिला रुप बर्जन :- अस्पताल का कारण -
  - (a) ये अत्यन्त सर्वेंद्रनशील समूह हैं।
  - (b) उम्मीदों को आपका के समय की स्थिति के बोरे में कुछ भी पता नहीं होता खुंडि पट देश के अविष्य हैं अतः इनके भीवन का सरंक्षण विशेष ध्यान की उम्मीद रखता है।

अस्पताल के मरीज़, वृद्ध रुप महिलाव व उम्मीदों सम्बाद के बोर्ड सर्वेंद्रनशील समूह हैं तथा सिविल सर्विसेज का बुनियादी भूल्य क्रमज्ञोर वर्गों के भवि सहानुभूति, सर्वेंद्रना रुप स्थिष्णुता की बात छरता है एक सिविल सेवक के रूप में इन भूल्यों में विश्वास करने के कारण ही बोरा अस्पताल हुआ है।

- ④ कैदी :- अस्पताल का कारण -

(4) भूमि केवल जैल की ओर दीवारी के बीतर है ऐसे में वे जल भरात्र से मरने के लिए संवेदनशील हैं।

(5) इसके साथ ही यह भी ध्यान रखना है कि किसी भी इस आपदा का लाभ उठाकर समस्या न बन जाए।

#### ⑤ शासक पार्टी के अध्यक्ष :- घरन का कारण -

(1) स्थानीय दोनों के कारण उनके नेतृत्व का लाभ उठाकर स्थानीय समूहों का आपदा पुर्वान्धन में बेहतर सहयोग किया जा सकता है।

(2) साथ ही वे स्थानीय घरनता को बेहतर ढंग से ख़फ़्लित और सकृदृष्टि है तथा निकायों के सम्बोधन को सुनिश्चित करने में एक भरतव्यपूर्ण गृहिणा निश्चा सकते हैं।

#### ⑥ पर्यटक :- घरन का कारण -

(1) क्योंकि उन्हें शैलीय स्थलाङ्किति के बारे में कुछ जटी पता है।

(2) पर्यटक दोनों के कारण यह भी सम्भावना है कि वे जल द्वारों के ज्यादा विकट हो।

(3) इसमें दिलेशी पर्यटक भी हो सकते हैं अतः यह शारीरिक दृष्टि का प्रश्न इसमें समाप्त है।

#### ⑦ अतिरिक्त मुख्य सवित्र :- घरन का कारण

किसी अन्य नागरिक की तरह इनको भी व्यापों का पुरास किया जायेगा।

#### ⑧ पदयात्री :- घरन का कारण -

भूमि पदयात्रियों के सम्बन्ध में यह विश्वास किया जाता है कि वे शारिरिक रूप से सक्षम न होते हैं।

#### निष्कर्ष :-

फिर भी सभी का घरन भूल्यवान है और आपदा पूर्ण पुर्वान्धन इस प्रकार भी स्थिति से निपटने का सबसे अच्छा तरीका है।

केस स्टडी - 2015 IAS

इति, प्रभुरत भैषज्यक कम्पनी जो अनुसन्धान रुचं विकास करोगा-  
-शाला में कार्यरत एक वैज्ञानिक ने खोजा कि कम्पनी की  
सर्वाधिक विक्षी होने वाली पशुपिकित्सकीय दवाइयों में से  
एक दवाई U में वर्तमान में असाध्य लिवर रोग, जो प्रभु-  
-पात्रिय क्षेत्रों में केला हुआ है, का इलाज करने की सम्भा-  
-ध्यता है, परन्तु भाववों के लिए उपयुक्त रूपान्तर का विकास  
करने के लिए बहुत अनुसन्धान और विकास की खरूरत  
थी, जिसमें 50 करोड़ रुपये तक का खर्च आ सकता  
था। इसकी सम्भावना उम थी कि कम्पनी अपनी लागत  
की वसूल कर पायेगी, जो इसके लिए निर्धनता ग्रस्त  
क्षेत्र में केला हुआ है जिसका बाजार बहुत थोड़ा था।

यदि आप सीईओ होते हों, तो-

- (a) जिन विभिन्न कार्यवाहियों जो आप कर सकते थे, उनकी पहचान कीजिए।
- (b) अपनी उपर्युक्त कार्यवाही के पक्ष-विपक्ष का स्वल्पांकन कीजिए।

Ans. मुमिका :- युक्ति भवित्वीय आण्डा, भारत की कुल आवाही का एक संवेदनशील टिक्का है ऐसे यह अनुसन्धान भव-  
-पात्रिय क्षेत्रों में केले असाध्य लीवर रोग को मिपत्तिंत  
कर पाने में सफल होगा परन्तु औषधि के निर्माण में  
अत्यधिक विटीय व्याव व्यय दवा निर्माण कम्पनी के ऊपर  
पड़ेगा जो कि कम्पनी के लिए लोध की हड्डिये ऐ एक  
बड़ा पछत है ऐसी परिस्थिति में कम्पनी का खी-ईओ  
टोन के नारण में निम्नलिखित कार्यवाही करता -

कार्यवाही -1 :- (विकल्प)

» केन्द्र सरकार के भवित्वीय मनोलय तथा स्वास्थ्य मनोलय को इस अनुसन्धान रुचं इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत रूप से बताता कि असाध्य लीवर रोग के इलाज के लिए द्वारा द्वौजी जर्जी दवा अत्यन्त कारगर साक्षित होगी।

**प्रश्न :-** • इस बात की सम्भावना को अप्पस्तरीय रूपयोगी।  
गिलेगा क्योंकि राजनीतिक दल सहायता देकर यह क्रेडिट  
लेना चाहते हैं कि उन्होंने धनधारीय समूह के लिए बहुत  
दूसरे काम किया साथ ही कम्पनी की ब्रांड वैल्यू भी  
इससे बढ़ेगी।

**विप्रश्न :-** • फृण्ड की छाप्ति में देरी, अधिकार की सम्भावना।

**कार्यवाही - 2 :-** (विनियोग)

• पर्याय सरकार की तरफ से सहायता न मिले तब मैं  
दवा क्षेत्र में काम कर रही कम्पनियों तक पहुँच बनाऊँगा।  
तथा उनसे कहुँगा कि हमें आवश्यक सीख सार और प्रयोग  
के रूप अनिवार्य वाला फृण्ड छान बुरे साथ ही मैं उनसे  
काढ़ा करूँगा कि इस दवा के आई आर आर को इनके  
साथ साझा करूँगा।

**प्रश्न :-**

• सीख सार की अवधारणा इसी उद्देश्य से लाई जायी  
है कि कम्पनियां अपनी आय का छुक इससा सामाजिक  
विषयों पर्से शिक्षा स्वास्थ्य पर प्रयोग करें अतः कम्पनियां  
इसके लिए आसानी से तैयार हो जायेगी। ऐसा करने  
से इसरी कम्पनियों के सम्बन्ध दूसरे भजवूत होंगे।

**विप्रश्न :-**

• इसरी कम्पनियां इसका क्रेडिट स्वयं लेने की बकाराबद्ध  
प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं।

**कार्यवाही - 3 (विनियोग) :-**

⇒ मैं स्वास्थ्य संस्थाओं पर्से WHO, IHO तथा स्वास्थ्य  
क्षेत्र में कार्य करने वाले विभिन्न सरकारी संगठनों को  
भी इस उपयोगी कार्य के लिए सहयोग देने की  
कहुँगा।

**प्रश्न :-**

• नौकरशाही की समस्या से निपात, फृण्ड का तीव्रता  
से आंचल, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कम्पनी की रवानिः

विपक्ष :- → कंड की स्वीकृति एवं पुरी प्रक्रिया में विलम्ब की सम्भावना।

कार्यवाही-५(विकल्प) :-

→ लागत को कम करने की सम्भावना पर धियर कर्गाँ। यदि कम्पनी लागत को कर पाये तो सीएसआर था अन्य खर्चों को कम कर दवा देनाये।

पक्ष :-

→ कम्पनी एवं सामाजिक उत्तिवङ्गम का परियाय, कम्पनी की संसाधन अवधन कुशलता का परियय।

विपक्ष :-

⇒ कम्पनी पर वित्तीय छोड़ छढ़ने की सम्भावना जिससे इसकी अन्य कार्यवाही के प्रभावित होने एवं एक स्थिति का उत्पन्न होना।

केस स्टडी- IAS 2015

आप एक विद्युष विभाग में प्रिला उद्धासन के शीर्षाधिकारी हैं। आपका वरिष्ठ अधिकारी आपको कहता है कि रामपुर गांव में एक शूरकण्ड पर स्कूल के लिए एक ब्रवन का निर्माण किया जाना है। दौरे की समझावली बना दी जाती है जिसके द्वारा वट भूरख्य इंजीनियर और वरिष्ठ वास्तुकार के साथ स्थल का दौरा किया जाएगा। वट जाता है कि आप उससे सम्बन्धित सभी कागजातों की जांच कर लें और सुनिश्चित कर लें कि दौरे की प्रवक्ष्या उपरि रूप से की जायी है।

आप उस फाइल को जाँचते हैं, जो आपके विभाग में रार्पशार सम्बालने से पूर्व की है। शूरकण्ड को स्थार्वीय प्रयोग्यता से, बागमाता की लागत पर, उपार्जित किया गया था और कागजात दर्शाते हैं कि जिन तीन उद्धिकारियों को शूरकण्ड की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र देना दीता है उनमें से दो के दिये हुए अनुभवि प्रमाणपत्र उपलब्ध हैं। वास्तुविद का कोई प्रमाण-पत्र जाइल में उपलब्ध नहीं है।

आप ऐसा कि फाइल पर छाना जाया है कि सब कुद ठीक दालत में है, यह सुनिश्चित करने के लिए रामपुर जाने का मिशन लेते हैं।

जब आप रामपुर जाते हैं तब आप देखते हैं कि उल्लेख के अधीन शूरकण्ड ठाकुरगढ़ किले का एक गांव है और उसकी दीवारें, परकोटे आदि उसके आर-पार बिंदे हुये हैं। किला भूरख्य गांव से काफी दूर है इसलिए वहाँ पर स्कूल, बस्ती के लिए ग्रामीर असुविधा होगा। परन्तु गांव के बजदीब के छोल के विस्तार का एक बड़ा आवासीय परिसर में परिवर्तित होने की समझावना है। किले में वर्तमान शूरकण्ड पर विकास उद्यार अत्यधिक होगे और विरासत स्थल के उद्यन की ओर ध्यान नहीं दिया जाया है, परन्तु शूरकण्ड के अधिग्रहण के समय सरपंच आपके छार्वाधिकारों का एक रिक्तेदार था। समस्त कार्य-कागजादन कुह

- निहित स्वार्थी के साथ किया गया प्रतीत होता है।
- (i) सरोकार रखने वाले पक्षों के सम्बन्धित निहित स्वार्थी की सुरक्षा बनाएं।
  - (ii) आपको उपलब्ध कार्यवाही के कुछ विकल्प दिये जायें हैं। प्रत्येक विकल्प के गुणों-अवगुणों पर ध्यान दियें।
    - (i) आप वरिष्ठ अधिकारी के द्वारे की प्रतीक्षा कर सकते हैं और उसको निर्णय करने देते हैं।
    - (ii) आप लिखित रूप में या फोन पर उसकी सलाह ले सकते हैं।
    - (iii) आप अपने पूर्वाधिकारी/सहकारी से परामर्श कर सकते हैं और उसके बाद क्या करना है, इस बात का कैसला कर सकते हैं।
    - (iv) आप भालूम कर सकते हैं कि क्या रुक्ष में कोई इसरा भूखण्ड प्राप्त किया जा सकता है और फिर उक्त सर्वसमावेशी लिखित रिपोर्ट बेच सकते हैं।
- क्या आप कोई अन्य विकल्प उपिट रक्तों के साथ सुझा सकते हैं?

Ans: श्रमिक-

= दिये गये भागों में सामूहिक अन्धकार का विषय समाइत है जिसमें आघारशुद्धि खरपेना का विकास तथा सांस्कृतिक विरासत की अपेक्षा उपेक्षा का विषय समाइत है इस विषय में सरोकार करने वाले निहित स्वार्थी के बुनियादी भूलभौं, सत्यनिष्ठा तथा लोड सेवा के विरुद्ध आपरण कर रहे हैं।

सरोकार रखने वाले पक्ष -

संरपन :- निर्माण के उद्देश्य से सरपंथ छारा गांव में स्कूल उपलब्ध कराया गया है।

- ८ इस प्रक्रिया में पट टी लगता है कि इसके गांव के आस-पास कई शूखण्ड टी जिसके खल्दे ही आवासीय परिसर में बढ़लने की सम्भावना है अतः इस शूखण्ड की कीभत अविष्य में अधिक टोने की सम्भावना है।
- ९ पट शी सम्भावना है कि इस प्रोजेक्ट में अवैद्यानिक धन लगा हुआ ही जिसमें सरपंथ का शी एक बड़ा शांत हो।

### पूर्वाधिकारी :-

- १० सरपंथ के साथ अपने रिक्तों को पुगाढ़ बनाने के लिए क्योंकि पट इसका रिक्तेदार था।
- ११ इस बात की शी सम्भावना है कि अवैद्यानिक रूप से धन खाते करने की लालसा में भी यह पूर्वाधिकारी ने छिना किसी विशेषण के फाइल में ही सारा कार्य कर दिया है।

### प्रभाग पत्र देने वाली संस्था / व्यक्ति :-

- १२ अवैद्य धन या अन्य किसी उठार का लाभ पाकर उन्होंने आसान स्वीकृति पुदान कर दी।

### पास्टुकार :-

ही सकता है कि पास्टुकार ने अपने सर्वेक्षण छारा धान लिया ही कि पट स्कूल, खेल का मैदान तथा भूलासहम जे लिए सही नहीं हैं परन्तु यही की स्वीकृति देखकर पट कुदन कर दी और ऐसे छुप छें गया। उसने शी कुद धन लाभ लिया और अपना मुँह बांध रखा ही।

विकल्प-1 आप परिष्ठ अधिकारी के दोर की पर्तीशा कर सकते हैं और उसको निर्णय करने देते हैं।

गुण :- वरिष्ठ के अनुभव का लाभ जो उक्तिया को प्रशान्ति देना चाहिए।

④ इससे जोनेकर और इमनी अवैद्यानिक स्वीकृति दोनों बेट्टर ढंग से कार्य निर्णय तक पहुँचेंगे।

⑤ मुख्य अधिकारी, वरिष्ठ अधिकारी को ज्ञाया बेट्टर ढंग से बता सकते हैं कि विना वास्तुविद् की स्वीकृति के छोड़े बैठे आगे बढ़ सकता है।

दोष :-

① मेरे व्यक्तिगत में उत्तरदायित्व तथा खोखिया वहन की कमियां या नेटट्व गुण के अभाव का छापीक।

② वरिष्ठ अधिकारी पर निर्णय ले सकते हैं कि, विरासत स्थल छोने के कारण पाट छोड़ेकर धारम्भ नहीं हो सकता।

प्रकल्प - 2 आप हिन्दून रूपाने का प्रोफ पर उनकी सलाह ले सकते हैं।

गुण :-

~ अनुभव का उपर्योग जो कि कनिष्ठ छंग वरिष्ठ के छीय सहयोग की शावना को बढ़ायेगा तथा निर्णय देने की उक्तिया में देरी भी समाप्त होगी।

अवगुण :- वरिष्ठ अधिकारी को कार्य का बोझ सौंपना।

प्रकल्प - 3 आप आपने पूर्वाधिकारी से परामर्श छर सकते हैं और उसके बाद क्या नहीं है, इस बात का फैसला छर सकते हैं।

गुण :- ~ इसरो के विषार घानकर बेट्टर-याप निर्णय की सम्भावना।

~ इस छोड़ेकर के सब्बन्ध में पूर्वाधिकारी हारा की गयी कार्यवाही के कारण गलती का पता खल सकेगा और फिर एक उपिट निर्णय की रुपरुप छापा खा सकेगा।

अवगृह :-

यदि पूर्वाधिकारी वास्तविक रूप से अष्टायार में शामिल था तो यह पुनः गलत भानकारी सुझाव के सकता है और आपको अब भी डाल सकता है।

प्रिकल्प-५ आप भालूम कर सकते हैं कि क्या खेड़ में कोई इसरा भूखण्ड छाप्त किया जा सकता है और फिर एक सर्वसमावेशी लिखित रिपोर्ट भेज सकते हैं।

जुन :- ① गांव को बिना किले को नुकसान पहुंचाये एक स्कूल बीमा भाग्येगा।

② एक ऐसी रिपोर्ट तैयार करेंगे जिसमें सभी उकार के अष्टायार भी किये जाये हैं उनका विवरण होगा और इसे आगे की खांच के लिए भेज दिया जायेगा।

अवगृह :-

① पंचायत में ठाकुरगढ़ किले का जो घन रोड़ दिया गया है उसका कोई उपयोग नहीं हो पायेगा।

② यदि सरायं तथा पूर्वाधिकारी खंव अन्य सम्बद्धित लोगों पर तार्किक नार्पवाही की जापी हो तो यह समस्त बामला और लम्बित हो जायेगा।

मेरा प्रिकल्प :-

१ सर्वप्रथम यह देखना कि वास्तुविद् ने उमां पन नहीं डिप।

२ ग्राम सभा के सभी सदस्यों से इस बात की भानकारी लेना कि गांव से सुविधाजनक इर्दी पर भूखण्ड कटाँ उपलब्ध हैं।

३ तत्पश्यात् एक ऐसी रिपोर्ट तैयार करना जो कि तथ्य व सर्वेक्षण पर आधारित हो तथा इसमें किसी उकार का सन्देह न हो।

४ इसके अलावा एस आई या अन्य किसी सम्बद्धित निकाप को विरास्त खल से सम्बद्धित तथ्य के लिए रिपोर्ट भेजना, जिससे कि किसी उकार का कोई विवाद न रह जाये।

केस स्टडी - 2015 IAS

हाल में आपको एक जिले के जिला विकास अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया गया है। उसके बाद खली ही आपने पाया कि आपके जिले के ग्रामीण इलाकों में लड़कियों को स्कूल शैक्षणे के भुद्दे पर काफी तनाव है।

गाँव के बड़े महसूस करते हैं कि अनेक समस्याएं पैदा हो गयी हैं, जिनकी लड़कियों को पढ़ाया जा रहा है और वे घर के सुरक्षित वातावरण के बाहर कदम रखते रही हैं। उनका विचार है कि लड़कियों की मूनतम् शिक्षा के साथ खली से शादी कर दी जानी चाहिए। शिक्षा के बाद लड़कियां नौकरी के लिए श्री संघर्ष कर रही हैं, जो परम्परा से लड़कों का अनन्य कोल रहा है, और पुरुषों में विरोधगारी में वृद्धि हो रही है।

युवा लड़कियों भी महसूस करती हैं कि, वर्तमान पुरुषों में लड़कियों की शिक्षा और सौजन्यार्थ तथा जीवन-मिराई के अन्य साधनों के समान अवसर प्राप्त होने चाहिए। समस्त इलाका वयोवृद्ध और युवाओं के बीच तथा उससे आगे दोनों पीढ़ियों में स्तरी-पुरुषों के बीच विभाजित है। आपको पता चलता है कि प्रयोग्यत या अन्य स्थानीय निकायों में या व्यस्त घोराहों पर श्री, इस भुद्दे पर गरमागरब वाद-विवाद हो रहा है।

एक दिन आपको छुपना जिलती है कि एक अप्रिय घटना हुई है। कुद लड़कियों के साथ देड़खानी की गयी जरूरत के दृश्यों के दृश्यों में थी। इस घटना के फलस्वरूप कई सामाजिक समूहों के बीच झगड़े हुये और कानून तथा व्यवस्था की समस्या पैदा हो गयी। गरमा गरम वाद-विवाद के बाद बड़े-बुद्धों ने लड़कियों को स्कूल जाने की अनुमति न देने और जो परिवार उनके हुम्म का पालन नहीं करते हैं, ऐसे सभी परिवारों का सामाजिक बहिष्कार करने का संयुक्त निर्णय ले लिया।

④ लड़कियों की शिक्षा में प्रवद्धान डाले बिना, लड़कियों की सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए आप क्या कदम उठायेंगे?

⑤ पीढ़ियों के द्वाय सम्बन्धी में समरसता खुलिपित करने के लिए आप जांव के वयोवृद्धि की पिटूतन्त्रात्मक अभिवृति का किस उत्तरार उत्तराधन का और ढालने का कार्य करेंगे?

शुभमिका :- इस भागले में हम दो उत्तरार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। सबसे पहले हम जांव के वयोवृद्धि समूह को पुरित कर लड़कियों की शिक्षा का कार्य पुनः शुरू करायें यह मिस्टरीके से किया जा सकता है -

① ⇒ जांव के ऊपर सेकारात्मक उत्तरार डालने के लिए स्थानीय रूप से प्रसिद्ध लोगों जैसे - सरपंच, एमएलए, एमपी जा अन्य प्रसिद्ध ऐल व सार्कुतिक गतिविधियों वाले लोगों को बुलाकर एक सार्वजनिक सभा की घोषणे जिससे पिटूतन्त्र की इस नकारात्मक मानसिकता को लड़कियों के टक में किया जा सके।

② ⇒ प्रसिद्ध भटिला प्रठितिव्य को जांव में उत्तासनिक सहयोग से उत्तरात्मक सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया जाये जो वहाँ के स्थानीय लोगों को सम्बोधित करें।

③ ⇒ जांव के लोगों को उच कानूनी तथा नीतियों से अवगत कराया जाय जो भटिला उपर्युक्त के विरुद्ध बनाये गये हैं।

④ ⇒ एक सामूहिक सभा में इन ग्राम वासियों की यह घटाया जाये कि लड़कियां अशिक्षा के कारण दौषिष, धरेलू दिसा तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जीवन पर्याप्त भुक्षती रहती हैं।

⑤ ⇒ अन्तिम रूप से उन्हे यह समझाएं कि शिक्षा एक मौलिक अधिकार है और शिक्षा के द्वारा जो प्रोग्राम और क्षमता का विकास होता है वही प्रक्रिया को रोजगार दिलाता है।

लड़कियों की सुरक्षा के लिए कदम :-

⇒ भटिला पुलिस बूथ का निर्माण - स्थानीय पुलिस स्टेशन से निवेदन करके स्कूल जाने वाले रास्ते में एक पुलिस बूथ का निर्माण जिसमें एक भटिला पुलिस अधिकारी हो।

- महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वाली के विरुद्ध कठोर कार्यवाची प्रिसें भविष्य में ये इस एकार के अपराध करने की धैर्यता न करें।
- विधि के शासन से सम्बन्धित सभी रुचिसियों की टीक्का उत्पत्तिया से कार्य करने का निर्देश।
- लड़कियों को आमरणा के लिए प्रशिक्षण उदान करवाने के लिए एक केंद्र का आयोग जिससे लड़कियों स्वयं अपने ऊपर की या रटी हिंसा / अन्य गतिविधियों का सकारात्मक गुणवत्ता नह सकें।
- अधिकृति परिवर्तन को उत्तिरुद्धरण करने वाले कारोंको जैसे महापुरुषों के जीवन को उत्तिरुद्धरण करने वाली डाक्युमेंट्सी या विभिन्न संघार भाष्यमों द्वारा महिला केंद्रित विषयों की परिवर्याप्ति।
- एक जीवीओ, स्वयं स्वाधर्ता समूह के मादपम से जनजागरूकता अधियान प्रलापर खोगानक करना।
- सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महिला केंद्रित योजनाओं व नीतियों की घाबकारी ग्रामीण व्योदृह को देता।

→ ← Case Study ← →

Case: आप एक कंपनी के निदेशक हैं, कंपनी में कर्मचारी 'A' पुस्त है औंस उनकी उत्पादकता पर आपकी कंपनी अवधिक निवार करती है। कुछ दिन उनकी सहकर्मी महिला 'B' आपके पास आती है और 'A' के विरोध योन स्थिति की शिकायत दर्ज करती है और साथ ही अपना इतीफा भी आपकी टेलर पर रख होती है, कि अब वो 'A' के रहने आपकी कंपनी में कार्य नहीं कर सकती। 'A' के विरोध यह आपके समस्त स्थान शिकायत आती है। अन्यथा वह आपके निगाह में वह ऐसे लीज़े रहता है। ऐसी परिस्थिति में आपके पास कौन-2 से विकल्प उपलब्ध हैं? इन विकल्पों के चुना-दोषों का भूल्यांकन कीजिए और से तर्वतम विकल्प का चयन कीजिए-

क्षेत्र में मन्त्रनिहित मुद्दे:-

Step-1st - कंपनी के निदेशक के तोर पर आपके नेतृत्व कॉशल की परीक्षा।

Step 2nd - कार्य संस्कृति

Step 3rd - कॉर्पोरेट नीतिका

Step 4th - अगिकामता

Step 5th - आचार संदित्त स्थं

विकल्प:-

- 1) 'B' की शिकायत को स्वीकार करें और उसे आसानी से आश्वस्त आश्वस्त करें कि वह यथारिक्ति में कार्य करती रहे और उन्हे दीघ न्याय उपलब्ध कराया जायेगा।

- मुनः- 1) मामला अन्य कर्मचारियों, पुलिस थाने रखने मीडिया में जाने से बचेगा, जिससे कंपनी की धर्व पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- 2) इससे कंपनी के निदेशक के नेतृत्व के गुण तथा कमज़ोर कर्मों के ब्रह्मति सदानुभूति रखने संबोधना के गुणों का पृष्ठरन दोता है।
- 3) कंपनी की उत्पादन रेखा बनी रहेगी।

दोषः- यदि 'B' पालतव में पीड़ित है तो वह छिस पूछार से स्थानियति में काम कर पायेगी। जबकि कोई निर्धारित तिथि भी नहीं ही गयी कि छब तक जोच द्वारी दोरी और निर्णय दिया जायेगा। अतः इसमें साधान रखने साध्य की पवित्रता के नैतिक मूल्य का उपलब्ध उल्लंघन दिरवाइ होता है।

इसका विकल्पः- 'B' की शिकायत को अनसुना कर देंगे।

लाभः- (i) कंपनी की उत्पादन रेखा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 'A' के लाय कंपनी के द्वितीय और दृढ़ होंगे।

दोषः- दीर्घालिक रूप से यह निर्णय कंपनी के द्वितीय की दृष्टि से विनाशकी साधित हो सकता है, क्योंकि -  
(a) मिस 'B' पुलिस थाने में शिकायत कर सकती है या महिला आयोग के पास जाकर मदद मांग सकती है। इससे कंपनी की सार्वजनिक धर्व-प्रतिक्रिया रूप से पूर्णावित हो सकती है। यदि मामला मीडिया में गया तो रियति और विवाह सकती है।

b) कंपनी में कार्यरत अन्य महिलाएँ अपने को अनुरक्षित मद्दत सरकारी रेखा नकारात्मक कार्य संरक्षित का शिकार बन सकती हैं।

तीसरा विकल्प :- 'A' पर आनुशासनात्मक कार्यवादी की अनुशंसा और इसके लिये स्वयं के नेतृत्व में एक आंतरिक घोर उमेदी का गठन।

- गुण :-
- गिरा 'B' और अन्य दित्तधारकों को संरक्षण का विश्वास
  - दोषी को छोड़ देने की व्यक्तिया का शुभांशु
  - टीग रिपरिट के हासा न्याय निर्णयन तक पहुंचने का संकल्प।

दोष :- (a) बिना जोंच के विभायित पर ही उनुशासनात्मक कार्यवादी की अनुशंसा, कमजोर आगिकामता का परिचायक।

- (b) इससे यदि 'A' होषी नहीं है तो कंपनी की कार्यसंरक्षिति रखे उत्पादन रेखा दोनों पर नकारात्मक असर पड़ने की व्यापक रांभावना।

चतुर्थ विकल्प :- महिला को इस बात का आश्वासन की शीघ्रतिसीधे रूप रूप आंतरिक घोर उमेदी हासा इसकी जोंच कर उनको व्याय उपलब्ध कराया जायेगा। ताल्लुलिक रूप से उन्हें पूरी आवानात्मक समर्थन उदान दरना जिससे उन्हें विश्वास हो कि कंपनी उनके साथ है।

लाभ :- जोंच व्यक्तिया के हासा निष्कर्ष तक पहुंचा जा सकता है कि वस्तुरिक्ति क्या है ? क्योंकि -

- हो सकता है कि भिस 'B' किसी व्यक्तिगत आँखोंका या कारण से 'A' पर आरोप लगा रही हो। अन्यथा आप 'A' को इस घटकार से कभी भी संदिग्ध नहीं पाते हैं।
- क्योंकि यह भी संभव है कि 'A' की व्युद्धिमता, झर्जा, उत्पादकता से अल्पे ईर्ष्या करते हो और उन्होंने 'A' के प्रियक 'B' को इस्तेमाल किया हो।

- c) यह शी संभाव है कि 'B' हाथी कहे रही हो और अपने संतान में 'A' जी का पूजारी की आवश्यकता नहीं होगी।
- d) जलसे लीक ही उपित निर्भय तरह पहुँचा तो राकेश अंगूष्ठ दरम्पदे देश, जल रुके परिचयते हों जानकारी और साथ जी विवरण को ध्यान में रखते हुये साथ जी द्यापना तरह पहुँचने का आवश्यकता है।
- e) केवली जी उत्पादकता रुपे उत्तरीसंघर्ष को दीर्घकालिक रूप से में है। ऐसे में यदि - मिस्टर 'A' दोषी पाये जाते हैं तो उन पर - (i) तलाल त्रभाव से इस्तीफा देने का दबाव बनाया जायेगा यदि नहीं मानते हैं तो अनुशासनालाभ कार्यवाही के बारे उन्हें पदमुक्त किया जायेगा क्योंकि खुफिया, झांडी, और उत्पादकता के साथ यदि संगठन के स्तर सत्यनिष्ठता नहीं हैं तो संगठन विनाश की ओर पूछत हो जाता है।
- (ii) <sup>61</sup> यदि 'B' दोषी पायी जाती है तो - उन्हें तलाल त्रभाव से सेवा मुक्त किया जायेगा और उनके चारितिक प्रमाण पत में भी इस बात की अनुशंसा की जायेगी। जिससे कि वे अन्यत उही इस त्रुटार के बटाकूम की पुनरावृत्ति न कर सके और अंगूष्ठ की जी यह संदेश जार कि केवली अपने त्रवासन के साथ नेतिकृत आनंद को भी महसूस है इष्टी है।

आप उम्र के युवक जिले के निवासिकारी हैं। वह यह जिला बुंदेलखण्ड को जाते हैं जो कि छापी पिछड़ा है। आपको नीतिगत के द्वारा व्यवस्था भितरी है कि Mid day meal के तहत दक्षिण राजेश्वर जी नियुक्ति के कारण राज्यों में नागार्जुन जा अनुपात गिर रहा है जो जिले के कई राज्यों में देखा गया। उच्च जाति के लोगों ने इन राज्यों में आपने कर्तव्यों को लेकर दिए। इस विधान घोषणा के लिए आप क्या - क्या कहना चाहते होंगे तथा क्यों?

### दित धारक :-

- (1) निवासिकारी
- (2) संबंधित जिला
- (3) माध्यान्ति भोजन व्यापकम्
- (4) स्थानीय समूह

यह युवक सामाजिक स्वेच्छाकृतियुक्त समर्थक है। इस समर्थक के समर्थन के लिये मैं कई दूरों पर काम करता / करती हूँ।

(i) दूरवाली तथा स्थानीय दूरों के संयोजन से युवक शिक्षा बनाऊ और व्यापक व्यवसायों में भोजन के व्यापकम् में रुद्ध शामिल होऊंगा।

### क्यों?

चूँकि यह जाति व्यवस्था जा दुष्परिणाम है जिसमें भेदभाव जा भाव संवैधानिक रूप से निवासिक द्वारे है वास्तविक समाजित है

अतः इस नकारात्मक आविष्कृति को बदलने के लिये 'व्यक्तिगत सेवा', का उद्दारण सुन्नुत चाहेंगी। नकारा इसमें लोगों की जागिरुति रख रखने तक बदलाव की तर्जावना होगी।

द्वितीय विभासः :- व्याख्यानिक रूपाल पर असृष्टयता का विकार-कैलाने वाले को आग्रही व्याख्याती की जानुशासा।

क्यो? → इस पूछार की जागिरुति, 'पूर्वधारणा' का परिणाम होती है ऐसे में यदि किसी की इस विषय पर आविष्कृति / पूर्वधारणा 'चरम सीमा' पर है तो उसे बदलने के लिये विधि / कानून / नियम / विनियोग आदे साथान सिस्त हो जाते हैं।

तृतीय विभासः :- दीर्घालिक समाधान के लिये स्थानीय राजनीओं, स्वयं लक्ष्यता लम्हों (MSD) तथा पूरित विकासी, कलाकार तथा राजनीतिक छार्यकर्ताओं की रुक्त 'सामाजिक सम-वय समिति', का गठन, जो लगातार इन संवेदनशील शब्दों में सक्रिय रहे।

क्यो? - क्योंकि यह इन शब्दों की सामाजिक मनोवृत्ति से जुड़ा विषय है। अतः इस मनोवृत्ति को बदलने के लिये हमें इन लोगों की 'भावनाओं का बोधन' (Emotional Intelligence) लगातार करना होगा। जिससे कि सतत रूप से समस्या का हल हो सके।

चूर्थ विभासः :- स्थानीय सम्हूमों की नियमित 'सामाजिक वर्क-शॉप' का आयोजन। {पंच, ग्राम सभा, आशा...}

क्यो? - क्योंकि सामाजिक तनाव समाज के महत्वर्धी पहलू होते हैं। लोगों की ईड़ा, आकौशा, रवार्धि-परार्थ में भ्रोड-विरोध की स्थिति होनी रुक्ती है। अतः जाति को लेकर कुनै संघर्ष जी लंभावना बन सकती है। ऐसे में इसके सहृदयी समाधान के लिये नियमित 'कार्यसामाजिक' रुक्त आदे साधन हो सकती हैं।

Case Study :-

आप उप-निलाधिकारी के रूप में सोनभद्र (UP) में नियुक्त होते हैं। जारीकोल एसर्वेशन करने के हँसान आप पाते हैं कि दृथानीय बालिका इंटर कॉलेज में लड़कियों की उपस्थिति अत्यंत बुम है। आपने विद्यालय प्रशासन से जारण जानने का छायाचक्षण किया तो पता चला कि देक्खानी की घटनाओं के जारण दृथानीय लोग आपनी बेटियों को टक्कर में जैसे पीढ़े हट रहे हैं। पुलिस में शिकायत करने पर भी कोई उत्साहजा परिणाम नहीं निकले। देक्खानी में दृथानीय बालुबली राजनीतिज्ञों के लोगों की भी महत्वपूर्ण घटनाएँ रहती हैं। इस समस्या के समाधान के लिये आप क्या कदम उठाएंगे और क्यों?

प्रितधारण :-

- (i) लड़कियां
- (ii) उप-निलाधिकारी
- (iii) विद्यालय प्रशासन
- (iv) दृथानीय पुलिस
- (v) अपनाधी तत्व

समाधान :-

यह सब समाजिक समस्या हैं जिसमें पितृसत्ता की मानसिकता को धारण किये हुये कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोग इस प्रकार की गतिविधियों को अंजाम दे रहे। विद्यालय प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की कमजोर कार्यक्रमों के जारण यह समस्या बालिकाओं की विद्या के अद्वैतन से जुड़ गयी है। और अब इसने इन गंभीर सम गृहण कर लिया है। मैं इस समस्या के समाधान के लिये कई टूटों पर काम करना चाहूँगा। चाहूँगी—

पहला :- लड़कियों के विद्यालय में उपरिक्षति घटाने के लिये तालात्रिक रूप से पिल रुंड श्रॉप यातायात वाहन को उपलब्ध ठराने की ओरिशा करेगा / गी।

क्यो? (i) क्योंकि विद्यालय से जातुपरिचयति उनकी शिक्षा व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है।  
(ii) उनके माता-पिता को यह विश्वास दिलाने कि अब उनकी बेटियाँ सुरक्षित हैं।

द्वितीय:- दृथानीय प्रशासन के साथ लगातार मीटिंग और उनका समर्थन प्राप्त करने की ओरिशा, जिससे इस समस्या का ऊर्धनी हल भी निकाला जा सके।

क्यो? क्योंकि प्रशासन की टीम-भाषणा के रूप में कार्य करने की छोंली से आपनाधिक तत्वों पर दबाव बनेगा और उनकी गिरफतारी से उनकाजक तत्वों को भविष्य में ऐसी गलती न करने का संदेश जायेगा।

तीसरा:- समस्त विषय को एक स्पष्ट प्राफ्ट के रूप में तैयार कर अपने समक्ष पुलिस उपाधिकारी, जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को एक-एक प्रति भेजेंगा / गी जिससे कि इस समस्या को व्यापकता समस्याओं से बचा जाए। इस प्राफ्ट में किसी टकार की उपन छोने वाली करेंगा / गी -

- (a) पुलिस चॉकियों की व्यवस्था का विषय
- (b) पुलिस पेट्रोलिंग का विषय
- (c) दृथानीय शाब्दिक दुकानों का विषय
- (d) विद्यालय प्रशासन के संसाधनों का विषय
- (e) दृथानीय समूहों की मानसिकता का विषय

क्यों? क्योंकि इस प्रणाली की समर्थ्या न केवल मेरे क्षेत्र में अपितु जिले के अन्य क्षेत्रों में भी हो सकती है। ऐसे में विशिष्ट आधिकारी गठ इस विषय का संज्ञान लेकर मेरे क्षेत्र में और पृष्ठापित क्षेत्रों में समर्थ्या समाधान के लिये रुकु. समग्र रणनीति बना सकेंगे।

^ ^

Case :- सवता 'जापसादा' :-

आप उत्तर प्रदेश के लुकेलगढ़ ग्राम में निवासियाँ / पुलिस अधीक्षक उप निवासियाँ / उप अधीक्षक हैं। आपके ग्राम में अपहरण, निर्भाति तथा हत्या की घटनाएँ होती हैं। इन घटनाओं को जनभाव देने वालों को राजनेताओं की लड़पाप्त है। राजनीति के अपराधियों द्वारा 'अपराध' के राजनीतीकरण के कारण दृश्यानीय व्यवसायियों, कारोबारियों तथा आम लोगों में भी आग दृश्यानीय व्याप्त है। परंतु अपने से बातचरण समान्य दिखायी देता है। लोगों की दिनचरी दृश्यानीय व्यवसायियों, जैसी चलती रहती हैं। इसके दृश्यानीय में अपहरण तथा तत्पश्चात् हत्याकाण्ड के मामले तीव्रता से लड़े। इस परिस्थिति में आप कानून व्यवस्था बदल लेने के लिये क्या कदम उठाएंगे ?

- (Q.1) इस परिस्थिति में आप कानून व्यवस्था बदल लेने के लिये क्या कदम उठाएंगे ?
- (Q.2) दृश्यानीय लोगों की अभिवृत्ति को बदलने के लिये आप क्या राजनीति अपनाएंगे ?
- (Q.3) यदि राजनेताओं द्वारा आप पर यथार्थता बतारण रखने का दबाव पड़ता है तो आप उस पर किस प्रकार व्युत्पत्तिक्रिया देंगे ?

पूछायें :- मैं कानून व्यवस्था दृश्यानीय लेने के लिये निम्नलिखित उपाय करना / गी -

- (i) सर्वपूछम में अपने कार्यालय में ऐसे लोकों को समीक्षा करने के लिये विभिन्न विभागों के लोकों को जिले के सभी पुलिस व्यापारों को दृश्यानीय व्यवसायियों से जुड़ा करवाऊंगा / गी। इसके द्वारा जाग उड़ाना होगा : (ii) ऐसे लोकों को जिले के सभी विभागों के जुड़ने से उनकी जाब जवाबदेहिता बढ़ेगी।
- (ii) विभिन्न व्यक्ति समिति के द्वारा उनकी समर्पण कर अपने लिये दृश्यानीय राहत प्राप्त कर सकेंगे।

- 2) आपराधिक गोंदांबित पाये गये और कानागार गोंद अपराधिक तत्वों की संस्कृत निगरानी व्यवस्था लुभिति जरेने जरेंगा / गी, जिसके कि के बाहरी आपराधिक तत्वों से ट्रॉफ़िक न कर दें (सर्विलास व्यवस्था)
- 3) द्वेष व्यवस्था से निगरानी।
- 4) संयोजनशील दृष्टिकोण पर लगातार पुलिस पेट्रोलिंग की व्यवस्था और इनका GPS से परस्पर जुड़ाव।
- 5) ग्रामीण रखे पढ़ाई शैक्षों में स्पेशल पुलिस चॉकियों की स्थापना / सुदृढ़ीकरण जिससे आपराधिक तत्वों के स्थेल गतिविधि का संतान मिलता रहे।
- 6) पुलिस इनफॉर्मर (ट्रॉफ़िकर) (मुख्यविन) तंत्र को अत्यधिक मजबूत बनाना। जिससे कि चरना घटने के पूर्व ही घटना पर नियंत्रण किया जा सके।
- 7) आस-पास के निलों के प्रशासन से एक सम-वय बनाने का सक्रिय प्रयास जरेंगा / गी जिससे कि जिले में पड़ रहे दबावों से यदि आपराधिक तत्व समीपवर्ती जिलों में शरण ले / लेने की कोशिश करे तो पड़े जाए।
- 8) आपराधिक मामलों का वरित निपटान करने के लिये न्यायिक रखे पुलिस प्रक्रिया में एक सम-वय छोड़ की स्थापना करने का प्रयास।

स्थानीय लोगों की अभिवृति बदलने की रणनीति :-

चुरूत कानून व्यवस्था की स्थापना कर रखे पुलिस हेल्प लाइन की सक्रिय गतिविधि के द्वारा स्थानीय समुदाय में यह विश्वास दिलाने का प्रयास जरेंगा / गी कि आप सब की सुरक्षा रखे जिले की बांति जिला प्रशासन का न्यायिक भूम्य है। (संगठनिक व्यवस्था की मजबूती द्वारा लोगों की अभिवृति बदलने का प्रयास)

- १) रसानीय -पुलिस चॉकिंगों / चेष्ट पोल्ट्री -पर सिविल शारीरिक ध्वनिताना जागरूकता कार्यक्रम छा संगठन। इससे पुलिस सशासन स्थवर आग लोगों में परस्पर सहयोग प्रिवित होगा और विना आतिरिक्त रेवर्स के संवादाविषय सारचिह्न तैयार होंगे।
- २) पोशाक गीडिया एवं गोमाइल गैलेज का अचें सेवेश के प्रलाभ में उपयोग।
- केवल ३) १) सिविल सेवा के लिये स्कूल धुनियादी ग्रन्थ हैं 'सत्यानिष्ठा' (संगठन के स्वति निष्ठा) जाता है। उसी भाव के तहत पुलिस लालू / जिला सशासन के लिये गिर्दारित लालू के जालीन रहकर काम करेंगा / गी। २)
- २) बातचीत के होरान राजनेताओं से भावनात्मक समझ का परिचय देंगा / गी और जनता के प्रतिनिधि होने के नाते उनका भावर स्वयं सम्मान भी करेंगा / गी। परंतु किसी अनुचित दबाव को नहीं मानेंगा / गी, क्योंकि अनुचित दबाव न तो नियम / विनियम स्वयं विधि तथा अंतर्राष्ट्रीय की आवाज की हृषिक से उचित हैं उनके न ही 'शुभ'।

Case → आप एक कंपनी के मैनेजर हैं। आपके हाथाफ़ का एक जूनियर सदस्य अपनी दादी की देखभाल करने के लिये जी ली गयी हुड़ी का बाद वापस आती है। विवीय अवश्यकताओं के भारण वह कुल टाइम (मध्याह्न समय) कार्य करना चाहती है। अपनी दादी की देखभाल के भारण वह कार्यालयी टीम मीटिंग में भाग्य: सम्मिलित नहीं हो पाती, क्योंकि वह मीटिंग कार्यालयी समय के लारज़ होने पर ही की जाती है वह अत्येक स्वतिन्द्रिय है। परंतु उसकी अनुपस्थिति उसके दबाव के उपर तथा उसके सम्बल लम्बारियों पर भी जायिं दबाव डाल रही है। आप उसके मैनेजर होने के नाते अर्ही तरह से संग्रह पा रहे हैं कि इस गतिविधि के भारण कार्य की धूतिक्षिया दबाव में है। उसके विभिन्न के समझो में से एक ने तो टिप्पणी करनी भी चुक लग दी कि औनतो का रखाने तो घर में होता है।

इसी स्तराने की टिप्पणियां और भी आने लगती हैं जो उस लड़की  
को अत्यधिक दबाव ने जब देती हैं।

ऐसी परिस्थिति में आप शारीरिक संरक्षिति को मन्त्रालय  
बनाते हुए क्या कदम उठाएंगे? लिए गये सुव्येच्छ निर्णय के गुण / दोष  
बताएं तथा नर्वो-तम विकल्प जा चयन करें -

प्रेस ने आत्मनिर्दित विषय :-

- (i) Unit - 3 :- कर्मजोर वर्गों के पृथक् समानुश्रूति, समिक्षा एवं संवेदना जैसे बुनियादी मूल्य
- (ii) Unit - 7 तक :- अर्थसंरक्षण  
नीतिशालक आगाम संहिता एवं आचरण संहिता
- (iii) कामपोर्ट गवर्नेंस / लोक सेवा मूल्य
- (iv) Unit - 10 :- साधन एवं साध्य की दृष्टि से शुभ / देश काल एवं परिरिच्छा

विकल्प :-

- (i) लड़की को लंबी हड्डी होने की व्यवस्था।
- (ii) यथारिच्छा को बनाये रखते हुये उसे टिप्पणी करने वाले लाइकर्मियों को अनुशासनात्मक कार्यवाची के लिये अनुशासित करना।
- (iii) महिला को नौकरी होने के लिये हेतुरित करना।
- (iv) महिला को कार्यालयी कार्यसमय लेझूट पूछान करते हुये उसके कार्य का विस्तार उत्तर धन तक छरना।

(i) मुण्ड

पूछने विकल्प :-

- गुण  $\Rightarrow$  (i) इससे अन्य साइकिलियों की नकारात्मक आविष्कृति पर नियंत्रण लगेगा।
- (ii) महिला को अपनी हाथी की स्थायी हेतुवाल करने का बरा समय मिलेगा।

दोपः- यह कर्मजोर वर्गों के पृथक् समानुश्रूति समिक्षा एवं संवेदना के बुनियादी मूल्यों की दृष्टि से अनुचित है। इसमें दादी की सेवा के साध्य की जात तो है पर साधन (देवभाल का एवं इत्यादि) का कोई निकू नहीं है। ऐसे में देश काल एवं परिरिच्छा की दृष्टि से यह नैतिक कदम नहीं है।

हितीति विकल्पः-

**गुणः-** कार्यालयी रांकृति का संसाधन सुनिश्चित होगा।

**लेपः-** शासन-प्रशासन में शायनात्मक समझ का परिचायक निर्णय नहीं हो सके कार्यालयों के कर्त्तव्यारियों में नियासात्मकता का गाव जाप्त हो सकता है और तिभाग / कंपनी की उत्पादन समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस निर्णय में देह के सुधारात्मक रूपसंपर्क के रूपान् पर प्रतीक्षात्मक दण्ड का गाव समाप्त है जो टीम गावना की हृषिक से खोन्ति छिपता नहीं है।

**तीसरा विकल्पः-** इस विकल्प में मैं कोई गुण नहीं देखता। तीव्रोक्त यह समर्थ्या का समाधान करने की बजाय निरंकुश नेतृत्व क्षेत्र का परिचायक है।

**चतुर्थ विकल्पः-** **गुणः-** (i) इससे महिला को अपनी सदी की देवभाल का समय मिल पायेगा और उसके कार्य के घटे / कार्यक्रमता का भी संरक्षण भी सुनिश्चित होगा।

- (ii) इससे उस पर टिप्पणी करने वाले सद्विमियों को ऐसे संदेश जायेगा कि वह अपने कार्य के पृति, संगठन के द्वारित्वों के पृति सजग, सचेत रखने जवाबदेह है।
- (iii) ऐसे अच्छी प्रशासनिक कार्यसंरकृति का विभाग में विकास होगा। संसदीय समितियों तथा अन्य सामाजिक - आर्थिक विश्लेषणों ने भी अब इस बात पर जोर देना प्रारम्भ कर दिया है कि महिलाओं के कार्य का विस्तार उनके धर तक किया जा सकता है। कई निजी कंपनियों ने यह पहल शुल्क भी कर दी है।
- (iv) यह निर्णय संगठन की नीतिपरक झागर संहिता तथा झाचरण संहिता दोनों का परिचायक है।

**होपः-** यह ऐसा परिपाठी बन सकती है।

**निष्कर्षः-** मैं विकल्प चतुर्थ का चयन करता हूँ। जहाँ तक फाँडे दुलखों का प्रश्न है तो यदि आगे ऐसी कोई सांग जाए तो यही प्रश्न का विभाग भासे डिलें।